वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) जी, हां ।

(ख) यह कहना कठिन है कि उत्पाद शुल्क की दरों में की गई कमियों का लाभ सभी मामलों में उपभोक्ताओं को प्राप्त हुआ है अथवा नहीं ।

(ग) मंत्रालय के पास यह सुनिश्चित करने के लिए कोई तंत्र नहीं है कि शुल्क में दी गई रिआयतों का लाभ उपभोक्ताओं को प्राप्त हो ।

उत्पाद शुल्क और आयात शुल्क में दी गई रियायतों का वापस लिया जाना

3783. श्री सत्यप्रकाश मालवीय : क्या वित्त मंत्री 8 मार्च, 1994 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं० 2113 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार उत्पाद शुल्क और आयात शुल्क में कटौती के रूप में दी गई रियायतों का लाभ ग्रामीण जनता/साधारण उपभोक्ता तक न पहुंचने की स्थिति में इन रियायतों को वापस लेने अथवा कोई अन्य कार्यवाही करने का विचार रखती है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) इस समय ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है । तथापि 1994-95 के बजट को तैयार करने के कार्य के एक भाग के रूप में सम्पूर्ण शुल्क ढांचे की समीक्षा की गई थी ।

(ख) निर्विष्ट लागत में कमी करने, निर्यात बढ़ाने, लघु उद्योग क्षेत्र की सुरक्षा करने और उद्योग की प्रतिस्पर्धा बढ़ाने आदि जैसे विभिन्न उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु शुल्कों में रियायतें मन्जूर की जाती हैं । तथापि, सरकार अधिकांश निर्मित उत्पादों पर मूल्य नियंत्रण लागू नहीं करती है । बाजार मूल्य सामान्यतया विविध कारकों द्वारा निर्धारित होते हैं । मंत्रालय के पास यह सुनिश्चित करने के लिए कोई तंत्र नहीं है कि शुल्क रियायतों के लाभ उपभोक्ताओं को प्राप्त हुए है या नहीं ।

Suspension of Negotiations with IMF for Obtaining Loan

3784. SHRI SURESH PACHOURI : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether negotiations with International Monetary Fund over the proposed massive loan to meet the exceptional financial requirements have been suspended;

(b) if- so, the reasons therefor;

(c) whether it is also a fact that Government are not keen to negotiate due to comfortable foreign exchange position ; and

(d) if so, what steps Government propose to take to remove the difficulties so that IMF loan is available ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASEKHAR MURTHY) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) and (d) Some preliminary discussions had taken place for a possible assistance from the International Monetary Fund. Meanwhile on an assessment of our exceptional financing requirements in view of the significant improvement in our foreign exchange reserved, the Government have decided not to take IMF assistance at present. As regards taking recourse to IMF assistance at a future date, a view will be taken depending on our external payments position.

Setting up of Currency Printing Presses

3785. SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of FINANCE be pleased to refer to answer to Unstarred Questions 913 and 2611 given in the Rajya Sabha on 1st and 15th March, 1994 and state:

(a) whether it is a fact that Switzerland. Germany and Britain, three top European aid givers to India, have charged RBI of attempting to blackmail Giori a Swiss Company with proved technology, and favouring the Japanese firm Komori in the prestigious Rs. 1000 Cr. New Note Press Project; and

(b) if so, what are the details thecof and how Government propose to solve this embrail ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASEKHAR MURTHY) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.